UNIVERSITY NEWS 17 OCTOBER 2025

AMAR UJALA

पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन में दिखा छात्रों का हुनर

लखनऊ। लखनऊ विवि के महिला और लैंगिक अध्ययन संस्थान व साइनसी ने मिशन शक्ति पंचम चरण के तहत पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, ललित कला और महिला अध्ययन समेत कई अन्य विभागों के छात्रों ने हिस्सा लिया। सभी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, विवि के समाज कार्य विभाग में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत के दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में शोध कार्यशाला हुई। उद्घाटन भाई आईआईटी लखनऊ के निदेशक डॉ. अरुण मोहन रोरी ने किया। मुख्य वक्ता अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

TIMES OF INDIA

LU's Navgrah Vatika to evoke cosmic energy

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Department of Botany at Lucknow University inaugurated the Navgrah Vatika on Thursday. Navgrah Vatika is a blend of science, culture and ecology. As the name purports, it is inspired by ancient Indian traditions linking the nine celestial bodies (Navgrahas), namely Surya, Chandra, Mangal, Budh, Brihaspati, Shukra, Shani, Rahu and Ketu with specific plants believed to influence human health and environment.

Each planet has a sacred plant chosen for its color, shape and symbolic value. Vice Chancellor Prof Manuka Khanna said, "Integrating traditional ecological knowledge with modern science is key to holistic learning. Navgrah Vatika will help students understand link between nature and cosmic energies." Botany department's Prof Gauri Saxena said, "This garden is a living classroom for all, promoting awareness about nature and planetary harmony."

DAINIK JAGRAN

मशरूम में लिवर कैंसर ठीक करने वाली औषधि

उन्नाव + लखनऊ : महानगर में मिलने वाली अजिरिडिनस रेटेटोलेप्टुलर कार्सिनोमा (लिवर कैंसर) की दवाई रूप से ठीक करती है। यह दावा लखनऊ विश्वविद्यालय के दिल्ली परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. प्राणेश कुमार के नेतृत्व में किए गए शोध में किया गया है। साल ही में यह शोध विश्व के प्रतिष्ठित जर्नल टेलर एंड फ्रांसिस में प्रकाशित हुआ है।

डा. कुमार ने बताया कि हम अपने खाने में मशरूम का उपयोग दैनिक रूप से करते हैं, लेकिन यह लिवर कैंसर जैसी घातक बीमारी में उपयोगी हो सकता है। अजिरिडिनस प्राकृतिक यौगिक व मुख्यतौर से द्वितीयक मेटाबोलाइट्स के रूप में पाए जाते हैं। यह औषधीय क्षमता रखते हैं, क्योंकि महानगर में मिलने वाले अजिरिडिनस कैंसर में इलाज के दौरान दूसरे अंगों को हानि पहुंचती है। दो से तीन महीने चार काम करने की चेंज कर देती है। इसलिए शोध टीम ने महानगर में मिलने वाली औषधि के प्रभाव को बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला में कुल 18 नए एजेंट अजिरिडिनस का निर्माण किया, जिनमें हानिकारक क्षमता कम पाई गई। इनमें से एक यौगिक AY128 ने कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में सबसे अधिक प्रभाव दिखाया। यह यौगिक कोशिकाओं में कैस्पेज-3 और कैस्पेज-9 एंजाइम के जरिए काम करते हुए कैंसर को बढ़ने से रोकता है। डॉ. कुमार ने बताया कि लिवर कैंसर विश्वभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में छठे स्थान पर है और यह खोज इसके उपचार की दिशा में एक नई उम्मीद जगाती है।

अजिरिडिनस के ट्रीटमेंट के बाद लिवर कैंसर कोशिकाओं की नष्ट करते डा. प्राणेश • सौ. स्रोत

एवाई-128 औषधि के परिणाम अच्छे

डा. प्राणेश कुमार ने बताया कि इस शोध में पाया गया कि महानगर प्रजाति नोडल अजिरिडिनस कैंसर के कोशिका को पूरा नष्ट कर मारती है। जिसमें विशेष रूप से एवाई-128 बहुत प्रभावी कैंसररोधी परिणाम दिया। एवाई-128 कैंसर सेल के वृद्धि को कैस्पेज-3 और कैस्पेज-9 के माध्यम से रोकता है जो कि कोशिका के मृत्यु/अपोप्टोसिस के लक्षणित संकेत है।

लिवर कैंसर विश्व में छठवीं सबसे बड़ी बीमारी

उन्होंने बताया कि लिवर कैंसर विश्व में छठवीं और देश में आठवीं सबसे बड़ी बीमारी है जिसमें प्रतिवर्ष लाखों की मौत होती है। इसके उपचार के लिए महानगर में उपलब्ध अजिरिडिनस को लाया गया, जिसमें सफलता मिली। इस औषधि के पेटेंट का भी प्रस्ताव इंडियन पेटेंट में हुआ है। डा. प्राणेश कुमार के अनुसार यह शोध भविष्य में लिवर कैंसर की दवा की खोज में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

HINDUSTAN

प्रोफेसर आरपी सिंह ने पेश किया एक्सेस मॉडल

लखनऊ। एलयू में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर आरपी सिंह ने मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रायोजित व प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस राजकीय पीजी कॉलेज मुरैना में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर अपना एक्सीलेंस मॉडल यानी एजेंट चेंजेज फॉर डिजिटल एजुकेशन टूवर्ड्स सस्टेनेबल सोसायटी पेश किया। शिक्षा की रूपरेखा, प्रविधि आदि पर बात की।

पोस्टर मेकिंग, स्लोगन में छात्रों की दिखी प्रतिभा

लखनऊ। एलयू के महिला और लैंगिक अध्ययन संस्थान व साइनसी ने मिशन शक्ति पंचम चरण के तहत पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि बाल विवाह : अधूरी बचपन की कहानी पर प्रतियोगिता में समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, ललित कला समेत विभागों के छात्रों ने भाग लिया।

कुलपति ने नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में नवग्रह वाटिका का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने उद्घाटन करते हुए बताया कि यह विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण चेतना का जीवंत संगम पेश करती है। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि नवग्रह वाटिका पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक सोच का अनूठा मेल है।

4

एमएड, एमपीएड की रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश होंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत संबद्ध कॉलेजों को बीएलएड, एमएड, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश की अनुमति दी गई है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने पत्र जारी कर दिया है।

AMRIT VICHAR

लिवर कैंसर से जंग में मशरूम की सब्जी कारगर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि शिक्षक की खोज बनी दुनिया में चर्चा का विषय
- मशरूम में पाया जाने वाला तत्व कैंसर कोशिकाओं का तेजी से करता है खात्मा

अमृत विचार: आयुर्वेद में कहा गया है कि 'भोजन महाभेषजम' अर्थात भोजन ही महान औषधि है। इसी सिद्धांत को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्राणेश कुमार ने शोध के जरिए साबित किया है। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले अजिरिडिनस तत्व पर शोध किया, जो हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा यानी लिवर कैंसर कोशिकाओं को युद्ध स्तर पर मारता है।

डॉ. प्राणेश कुमार

डॉ. कुमार के अनुसार, मशरूम दैनिक खानपान का हिस्सा होते हैं, लेकिन यह लिवर कैंसर जैसी घातक बीमारी में भी उपयोगी साबित हो सकता है। शोध टीम ने प्रयोगशालाओं में 18 नए एनोन अजिरिडिनस बनाए, जिनमें हानिकारक प्रभाव कम और कैंसररोधी क्षमता अधिक थी। विशेष रूप से एवाई 128 तत्व कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है और कैस्पेज-3 व कैस्पेज-9 के माध्यम से कोशिकाओं को प्रभावित करता है।

लिवर कैंसर विश्व में मृत्यु के कारणों में छठा स्थान रखता है। इस शोध को टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल में प्रकाशित किया गया है और अजिरिडिनस का पेटेंट इंडियन पेटेंट कार्यालय में दर्ज हुआ। डॉ. कुमार का दावा है कि यह खोज भविष्य में लिवर कैंसर की दवा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लविवि में नवग्रह वाटिका की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित नवग्रह वाटिका की शुरुआत की गई। यह अनोखी वाटिका विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। प्राचीन भारतीय परंपरा के अनुसार नौ ग्रह—सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु—को मानव जीवन और वनस्पतियों से जोड़ा गया है। प्रत्येक ग्रह का प्रतीक एक पवित्र पौधा है, जिसे आकार, रंग और ज्योतिषीय महत्व के आधार पर चुना गया।

उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से जैव विविधता संरक्षण के साथ शिक्षा को भी सशक्त बनाया जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना ने बताया कि यह वाटिका छात्रों और आगंतुकों के लिए एक 'जीवंत कक्षा' के रूप में काम करेगी, जहां प्रकृति, ग्रहों और मानव जीवन के बीच समंजस्य को समझा जा सकेगा।

वाटिका में ग्रहों का प्रतिनिधित्व

- सूर्य: लाल, पीला, मदार (कलोटोपिस गिगांटिया)
- चंद्र: सफेद, दक्षिण-पूर्व, पलाश (बूटिया मोनोस्पर्मा)
- मंगल: लाल, दक्षिण, खैर (एकेसिया कटेचू)
- बुध: हरा, उत्तर, अपामार्ग (एकेरेंथेसिस)
- बृहस्पति: पीला, उत्तर-पूर्व, पीपल (फिकस रिलिजीयस)
- शुक्र: सफेद, पूर्व, गूलर (फिकस रेसेमोसा)
- शनि: काला, पश्चिम, शमी (प्रोसोपीस सिनेरिया)
- राहु: धूसर, दक्षिण-पश्चिम, दूब (सीनोडॉन डैक्टीलॉन)
- केतु: धूसर, उत्तर-पश्चिम, कुशा (डेसमोस्टैचिया बिपीनाटा)

यह वाटिका विभाग की सौंदर्य वृद्धि के साथ-साथ सांस्कृतिक वनस्पति विज्ञान, ध्यान और पर्यावरण शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। भविष्य की पीढ़ियों को प्रकृति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के पारस्परिक संबंध को समझने और सराहने के लिए प्रेरित करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नवग्रह वाटिका का स्वरूप।

प्रोफेसर ने एक्सेस मॉडल पर रखे विचार

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना द्वारा आयोजित 'न्यू टीचिंग पेडागोजी एंड डिजिटल एजुकेशन' विषयक एक दिवसीय ई-संगोष्ठी में लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक ने अपने विचार रखे। कीनोट स्पीकर के रूप में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र प्रताप सिंह ने अपना एक्सेस मॉडल (एजेंट चेंजेज फॉर क्रिएटिव एजूकेशन टूवर्ड्स सस्टेनेबल सोसायटी) प्रस्तुत किया।

डॉ. आरपी सिंह

इस दिशा में उन्होंने शिक्षण की रूपरेखा, शिक्षण प्रविधियों, कक्षा प्रबंधन और मानविकी एवं भाषा शिक्षण से जुड़े प्रोफेशनल्स के दायित्वों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त डिजिटल ह्यूमैनिटीज और पब्लिक ह्यूमैनिटीज पर चर्चा करते हुए उन्होंने तकनीकी एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा शैक्षिक पारिस्थितिकी में आए बदलावों की व्याख्या की।

AMAR UJALA

मशरूम में कैंसर का इलाज करने वाला रसायन

लखनऊ। लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्राणेश कुमार ने मशरूम में पाए जाने वाले रसायन अजिरिडिनस से लिवर कैंसर के इलाज की राह दिखाई है। उनकी टीम ने 18 नए यौगिक तैयार किए, जिनमें से एवाई-128 ने सबसे प्रभावी परिणाम दिए। यह शोध टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसका भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट हुआ है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN TIMES.

FROM DOWN UNDER

Walter Burley Griffin planned Australia's capital and also designed several buildings in Lucknow, some resembling those in Canberra. Born in Chicago and regarded as one of Australia's top architects, Griffin came to Lucknow in 1935. He designed Tagore Library, Student Union building at Lucknow University, Pioneer Press building, municipal offices, a bank and several palaces and houses, completing over 50 projects in the city. "Western modernism with eastern aesthetics is a hallmark of Griffin's designs," said Prof Durgesh Srivastava from Lucknow.

Poster-making, slogan-writing competition

LUCKNOW: As part of Mission Shakti – Phase 5 Institute of Women's Studies of Lucknow University in collaboration with Psynaree – An Institute for Advocacy of Women Empowerment and Mental Health, organised a poster making and slogan writing competition on Thursday.

Students showcased their creativity and social awareness through thought-provoking posters and impactful slogans. Manini Srivastava, coordinator, Institute of Women's Studies, appreciated the effort of the participants.

LU women studies instt holds contests

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Institute of Women's Studies, Lucknow University, in collaboration with Psynaree institute for advocacy of women empowerment and mental health, organised a poster making and slogan writing competition on department premises, in the presence of LU Vice Chancellor Prof Manuka Khanna, on Thursday. The event was organised as part of a series of events under the aegis of UP govt's Mission Shakti-Phase 5. Students from departments of sociology, psychology, fine arts and women's studies showcased their creativity and social awareness through thought-provoking posters and impactful slogans.

The theme of the competition, 'Child Marriage – A Tale of Unfinished Childhood', aimed to shed light on the social evil and its deep-rooted impact on lives of young girls.

Coordinator, Institute of Women's Studies, Manini Srivastava, praised students for using art as a medium of awareness and expression.

Brajesh Pathak felicitating Dr Manini Srivastava at event

NBT

शोध | एलयू के डॉ. प्राणेश कुमार ने लिवर कैंसर की नई दवा खोजने का किया दावा

मशरूम का अजिरिडिनस कैंसर के इलाज में प्रभावी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

मशरूम में मिलने वाला अजिरिडिनस नामक यौगिक लिवर कैंसर के इलाज में प्रभावी पाया गया है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के सहायक प्रफेसर डॉ. प्राणेश कुमार के नेतृत्व में हुए शोध में ऐसा दावा किया गया है। यह शोध जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स में प्रकाशित हुआ है और इसका पेटेंट भी भारतीय पेटेंट कार्यालय में दर्ज है।

डॉ. प्राणेश कुमार ने बताया कि हम अपने भोजन में अक्सर मशरूम का सेवन करते हैं, लेकिन इस शोध से यह स्पष्ट हुआ कि इसमें पाए जाने वाले अजिरिडिनस यौगिक में हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा (लिवर कैंसर) को खत्म करने की क्षमता होती है। यह अजिरिडिनस प्राकृतिक पौधों व सूक्ष्मजीवों में द्वितीयक मेटाबोलाइट्स के रूप में पाए जाते हैं और औषधीय क्षमता रखते हैं। यह यौगिक कैंसर कोशिकाओं को नष्ट तो करता है, लेकिन इसके कुछ रूप शरीर के अन्य अंगों पर दुष्प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए शोध टीम ने प्रयोगशाला में मशरूम से प्राप्त इस यौगिक के आधार पर 18 नए एनोन-अजिरिडिनस का निर्माण किया, जिनकी हानिकारक क्षमता कम पाई गई। इनमें से एक यौगिक AY128 ने कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में सबसे अधिक प्रभाव दिखाया। यह यौगिक कोशिकाओं में कैस्पेज-3 और कैस्पेज-9 एंजाइम के जरिए काम करते हुए कैंसर को बढ़ने से रोकता है। डॉ. कुमार ने बताया कि लिवर कैंसर विश्वभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में छठे स्थान पर है और यह खोज इसके उपचार की दिशा में एक नई उम्मीद जगाती है।

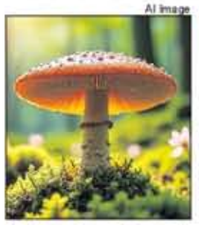

AI Image

चीनी का पीएच घटने से बढ़ेगी आमदनी

■ NBT न्यूज, लखनऊ:

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के प्रफेसर कमान सिंह ने दावा किया है कि लंबे अनुसंधान और लगातार प्रयासों के बाद अब शुद्ध शर्करा का पीएच मान घटाकर 6.4 कर दिया गया है। जिससे किसान अंतरराष्ट्रीय बाजार में आसानी से चीनी का निर्यात कर पाएंगे। प्रो. सिंह ने गुरुवार को बताया कि इंटरनेशनल कमिशन फॉर यूनिफॉर्म मेथड्स ऑफ शुगर एनालिसिस द्वारा शर्करा का पीएच मान 7.0 तय किए जाने से अब तक भारतीय किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा था। इस कारण देश में उत्पादित चीनी अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी नहीं उतर पा रही थी और उसका निर्यात रुक गया था। उन्होंने कहा कि यह बदलाव किसानों और चीनी उद्योग दोनों के लिए वरदान साबित होगा। अब किसान अपनी उपज से तैयार चीनी को वैश्विक स्तर पर बेच सकेंगे।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में बनी नवग्रह वाटिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग गुरुवार व नवग्रह वाटिका का उद्घाटन कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। यह वाटिका प्रो गौरी सक्सेना, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग के मार्गदर्शन में स्थापित व गई है। यह अनोखी वाटिका विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता का सुंद संगम प्रस्तुत करती है। इसकी प्रेरणा प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से ली गई है जिसमें नौ ग्रहों (नवग्रह) : सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु औ केतु को मानव जीवन और वनस्पतियों से जुड़ा माना गया है। प्रत्येक ग्रह का प्रतीक एक पवित्र पौधा है, जिसे उसके आकार, रंग और ज्योतिषीय महत्व के आधार प चुना गया है। उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि पारंपरि पारिस्थितिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से हम न केवल जैव विविध संरक्षण को प्रोत्साहित कर सकते हैं, बल्कि समग्र शिक्षा को भी सशक्त बना सक हैं। प्रो. गौरी सक्सेना ने कहा कि यह वाटिका छात्रों और आगंतुकों के लिए ए जीवंत कक्षा के रूप में कार्य करेगी, जहां प्रकृति, ग्रहों और मानव जीवन के बी के सामंजस्य को समझा जा सकेगा।

I NEXT

लिवर कैंसर से जंग में हथियार साबित हो सकता है मशरूम!

लखनऊ यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ फार्मेसी ने की रिसर्च

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 Oct): लिवर कैंसर के केसेज में बीते सालों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है. ऐसे में, एलयू के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने एक नई खोज की है, जो इस क्षेत्र में मददगार साबित हो सकती है. फार्मेसी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्राणेश कुमार और उनकी टीम ने मशरूम में मौजूद एक तत्व अजिरिडिनस खोजा है, जो लिवर कैंसर से लड़ने में सहायक है. डॉ. प्राणेश के मुताबिक, मशरूम जिसे हम सामान्य सब्जी के रूप में खाते हैं, उसमें मौजूद अजिरिडिनस नामक रसायनिक तत्व जो पौधों और सूक्ष्म जीवों में पाया जाता है. यह तत्व औषधीय गुणों से भरपूर होता है. हमारी रिसर्च के दौरान पता चला कि अजिरिडिनस कैंसर की सेल्स को खत्म करता है हालांकि, इसका इफेक्ट बॉडी के कुछ अन्य पार्ट्स पर भी पड़ता है. इसके लिए हमने लैब में 18 नए एनॉन-अजिरिडिनस तैयार किए, जो बॉडी पर इफेक्ट नहीं करते हैं.

लिवर कैंसर सेल्स पर किया गया टेस्ट

डॉ. प्राणेश की लैब में डेवलप किए गए इन नए एनॉन-अजिरिडिनस को जब लिवर कैंसर की सेल्स पर टेस्ट किया गया तो पता चला कि ये यौगिक कैंसर सेल्स को तेजी से खत्म कर रहा है. इनमें भी AY128 ने सबसे बेहतरीन रिजल्ट दिए है, क्योंकि ये कैंसर सेल्स की ग्रोथ को खत्म करता है, जिससे सेल्स आगे डेवलप ही नहीं हो पाती हैं और खत्म हो जाती है. डॉ. प्राणेश की इस रिसर्च को इंटरनेशनल जर्नल टेलर एंड फ्रांसिस में पब्लिश किया गया है और इसका पेटेंट इंडियन पेटेंट ऑफिस में भी रजिस्टर किया गया है.